ओम जय शिव ओंकारा की आरती लिखी हुई

om jai shiv omkara lyrics – in Hindi

||शिवजी की आरती||

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ।

ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे । हंसानन गरुड़ासन वृषवाहन साजे ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे । त्रिगुण रूपनिरखता त्रिभुवन जन मोहे ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

अक्षमाला बनमाला रुण्डमाला धारी । त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे । सनकादिक गरुणादिक भूतादिक संगे ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

कर के मध्य कमंडलु चक्र त्रिशूल धर्ता । जगकर्ता जगभर्ता जगसंहारकर्ता ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका । प्रणवाक्षर मध्ये ये तीनों एका ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

लक्ष्मी व सावित्री पार्वती संगा । पार्वती अर्द्धांगी, शिवलहरी गंगा ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

पर्वत सोहैं पार्वती, शंकर कैलासा । भांग धतूर का भोजन, भस्मी में वासा ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

जटा में गंग बहत है, गल मुण्डन माला । शेष नाग लिपटावत, ओढ़त मृगछाला ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

काशी में विश्वनाथ विराजत नन्दी ब्रह्मचारी । नित उठि भोग लगावत महिमा अति भारी ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

त्रिगुण शिवजीकी आरती जो कोई नर गावे । कहत शिवानन्द स्वामी मनवांछित फल पावे ॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

जय शिव ओंकारा हर ॐ शिव ओंकारा। ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अद्धांगी धारा॥

ॐ जय शिव ओंकारा ॐ जय शिव ओंकारा ॥

||शिवजी की आरती समाप्त||

पढ़ें: शिवजी की आरती का महत्व